बेटी है तो कल है

बेटियाँ, शुभ कामनाएँ हैं,
बेटियाँ, पावन दुआएँ हैं।

बेटियाँ, ज़ीनत हदीसों की,
बेटियाँ, जातक कथाएँ हैं।

बेटियाँ, गुरुग्रंथ की वाणी,
बेटियाँ, वैदिक ऋचाएँ हैं।

बेटी बचाओ अभियान
5 अक्टूबर 2011 से

बेटियों के हक़ में **मध्यप्रदेश**

कविता: अज़हर हाशमी

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2011